

बेहतर शिक्षक वह है जिसका बच्चों के साथ मानवीय रिश्ता और जुड़ाव हो

Indicate by date the two stories of words



ਸੀ। ਗਲ: ਆਪਣੀ ਫ਼ਤਵਾ, ਆਪਣੀ ਫ਼ਤਵਾ ਦੀ ਫ਼ਤਵਾ ਫ਼ਤਵਾ।

श्री नमाली तीर्थांता, श्री राजकीय प्राथमिक विद्यालय गिरुमौर में ज्ञानाभ्यासिका हैं। वेरा जन्म चौबी बरखान के एक कस्बे देवराणा में हुआ। बचपन से ही दुर्लभ चतन का श्रवण शक्ति बढ़ा वेरी प्रारम्भिक शिक्षा गौर के ही राजकीय प्राथमिक विद्यालय खडखोल में हुई। वेरे प्रेमाशील वेरे विद्याकी रुई हैं। वे इंटरमीडिएट स्तरित शिक्षाका में प्रमाणपत्र बो। वेरी भी बीरा वेरी एक गृहिणी भी और हरेला पत्राई के लिए प्रेरित करती रहती हैं। वेने अपने विद्याकी जीवन में स्वयं ही पत्राई की कभी-अधर बाद भी मरुष करती बो। कला व से 12 तक वेरी शिक्षा शिक्षाका में वेरे विद्याकी के निर्देशन में हुई। स्नातक एवं स्नातकोतर की पत्राई वेरी डिग्री कॉलेज से हुई। बीटीपी लम्बे के बाद वेरी प्राथमिक विद्यालय गिरुमौर स्तर में ज्ञानाभ्यासिका के पद पर नियुक्ति हुई।

बैशाखा १५५५ तक जहाँ से लिखते हैं तब पा
जाता है कि यहाँ का गढ़ है। जिसके के रूप में केवल
मुद्राएँ छापी हैं।

हिंदू - कुछ अपने मित्रों को भी बहुत प्रेम है। सिमिका होने पर मैं रुक करती हूँ। इस देश में बच्चों के प्रति नापिछे व अपमान की नीतिबुनी अनुभूति होती है। ये कहते हैं यह गरीब समाजिकताओं में रहा शिक्षात्मक और छात्रों में बच्चे आते जाते हैं। जगत्तर सौंपती हैं किस बच्चे के साथ क्या क्या करें ताकि इन बच्चा संरक्षण के निर्धारित स्तर को छूटा न जाए। अंतर्गत बच्चे के अभिभावकों से ही बच्चा समझे बनना पड़ता है और हम ती ये है कि उनका द्वारा किसी वातावरण व देव सुखी कार्य करने के लिए कला का संभव करता है।

संकेत : अगले बारावी में छाटा 25 अंकों का प्रश्न से ही पाठ्य-लिपि का संकेत है, जो लिपि का प्रश्न लिखा है। किन्तु प्रश्न का

दुआदी/आपसी पढ़ाई पसन्द करती हैं और सड़क के पार्श्व के लिए काले कैंरी सिगरेट पती हैं?

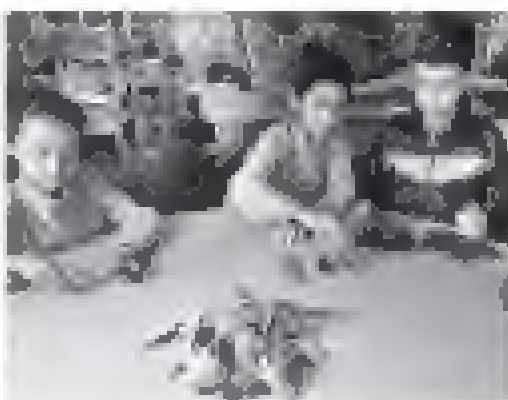
शु : यदि हम अपने मन में किसी कार्य को करने की इच्छा है तो वह हमारा ध्यान बन जाता है, और इसके लिए फिर समय निकालने की कोशिश नहीं हो जाती। जब भी जब्त हो जाती है, पुराने से काम होती है। अक्सर विद्यार्थी से जाने के बाद अपने पढ़ने के लिए समय निकालती है। शुरुआत में जब सेने पढ़ना शुरू किया तो परिवर्तित और शास्त्रीय व्यवस्थाओं के अन्तर्गत-वर्षात से कुछ शिक्षकों को, किन्तु कुछ समय के बाद सभी शिक्षकों को ही नहीं। अब छात्र के लक्ष्य में मेरी पढ़ाई के अर्थों को समझ गए हैं और मेरी पढ़ने की प्रक्रिया को प्रेरित करती हैं।

विद्यार्थी हमें जोरदार शिक्षा दी जाती है, वह बात में अपने घर एवं विद्यार्थी के बच्चों को भी बताती हैं। हम बच्चों को ही नहीं शिक्षण अर्थात् सड़क की सीखना है, और विद्यार्थी एवं अभिभावकों को पुराना करना है। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए मैं पढ़ने-लिखने का प्रयास करती हूँ। मुझे ऐसी कहानियाँ व लेख पढ़ना पसन्द हैं जो बच्चों और स्कूल से सम्बन्धित हों। जैसे— किन्तु चर्च बचाना की पुस्तकें, बच्चे की सजा और अन्धकार, अतीव्यन्, आदि।

मीनका : एक शिक्षक के पेशे के लिए पढ़ाई-लिखना क्यों व शिक्षक कहती हैं? एक शिक्षक से कैसे काम करता है?

शु : मेरी कि मैंने बताया, मेरा विद्यार्थी अक्सर यह कहता है कि मैं कुछ नया पढ़ूँ जिससे मेरे शिक्षण में मदद मिले। यह और बच्चों के सीखने का फल और बेहतर हो सके। कई बार हमारे विद्यार्थी किन्तु ही जाते हैं, मन में क्या आती है कि

यह काम नहीं हो सकता किन्तु जब हम खुद के पढ़ते हैं तो हमारे विद्यार्थी की शिक्षण दुरती है। विद्यार्थी को ज्ञान में जाने, अपने अनुभव हमारे ही पुराने हमारी मदद करती हैं। एक शिक्षक को पढ़ने-लिखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि बच्चे कई बार ऐसे सवाल पूछते हैं जिसका जवाब हमारे पास नहीं होता। बच्चों की विविध ओझाओं, सवालों को दूर करने के लिए एक शिक्षक को पढ़ने-लिखने पढ़ने की आवश्यकता होती है, और फिर एक ऐसा समय है जिसमें विद्यार्थी परिवर्तित होता रहता है। यह सकारात्मक परिवर्तन को समझने, स्वीकारने एवं बच्चों के साथ बेहतर शिक्षण प्रक्रिया किस प्रकार हो की जाए, सड़क के लिए ही पढ़ना आवश्यक है। एक प्रभावशाली के अन्तर्गत ही इसे समझ पाएंगी।

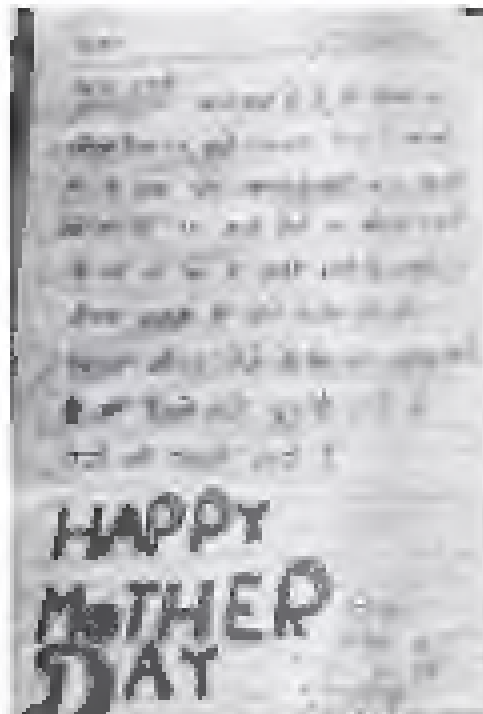


कि पढ़ने-लिखना शिक्षण में कैसे मदद करता है— पहले के कार्य सड़क की उसके बाद जब कि यह पढ़ने-लिखने बच्चे तक की जाना चाहिए। इसके बाद मैंने सीखने और न विद्यार्थी को अपने पढ़ी काम से बाधने के साथ काम किया।

जिसमें अनेक बच्चा अपनी पढ़ी हुई कहानी हमें सुनाता और अन्य बच्चे कहानी सुनने के बाद उसका सारा-सारा कहते। फिर मैंने इन विद्यार्थी को विचार देने के लिए बच्चों के साथ आसानी देखने पर कार्य किया जिसमें बच्चे अपने अनुभवों की जायगी में लिखते हैं। अक्सर ऐसा करने से बच्चे में कहानियाँ सुनने और किताबें पढ़ने के प्रति बड़ा प्रेम को जन्म है।

मीनका : अपनी इस पढ़ने-लिखने के जोरदार जब फैसला कि बच्चे में कैसे देखा करती हैं?

शु : जैसे मैं मूढ़ पढ़ने-लिखने का सीक रखती हूँ मैं ही चाहती हूँ कि बच्चे भी पढ़ने-लिखने का सीक रखें, किन्तु सीक पैदा करने



बलवती हो जाती है। यदि कोई बच्चा विद्यालय नहीं जाता है तो उसके घर और तो उसके पिता जाता है, कभी-कभी बच्चे को उन समेत घर भी जाता है। मैंने इससे पहले अपनी बालीयत में नहीं जाना कि मैं क्यों से विद्यालय जाती हूँ वहाँ से धुमरू परिवार के 3 बच्चों को साथ लेकर जाती हूँ। यह मेरी दिनचर्या है, रोज उनके अभिभावकों के साथ सम्पर्क में रहती हूँ। विद्यालय सेवानिवृत्ति की इस पूरी प्रक्रिया में सहयोगी शिक्षिका का मुझे निरन्तर सहयोग मिला है। हम निरन्तर सभी कार्य कर रही हैं। जी, इन सभी बच्चों में मुक्तिमें जो जाती है, उसके लिए भी विद्यालय सभी विकसित है। कई बार कुछ मुक्तिमें इन सभी की होती है।

सैलिया - पिछले कुछ सालों में आपके इस रिश्ते पर कुछ नए व सकारात्मक बदलावों को हमें बताइए ?

रु - पहले मैं सभी के पिछली ओ विद्यालय कुछ विचार किए बच्चों के साथ भी इसका प्रयोग किया जिससे मैं विद्यालय में जायगी

मौलिकों के कार्यक्रम की सुझाव और अपनी संज्ञान विद्यालय का सभी बच्चों मिलते हैं, अपने विचारों एवं अनुभवों को रख करती है। इसके साथ ही बच्चे के लिए संविधान का विशेष विचार जोड़ना ता इसीलिए उनके सोचने में बच्चे उत्साह का अनुभव करते हैं। बच्चों के लिए सम्बन्धित सोचने की सुविधा मुक्ति करता है, इसमें मैं बहुत ही उत्साह ले रही हूँ। धुमरू परिवार के 3 बच्चों का अपने विद्यालय में सम्बन्धित और विद्यालय तक उनके अभिभावक के घर का जाना उनके लिए सम्बन्धितानुसार अपने, एक और ही व्यवस्था की गई। समुदाय के संयोजन से संस्थानों की व्यवस्था की पड़न की गई। सुनीति के बावजूद सभी एक एक स्थान से हो पाई है। सोचने-सिखने की प्रक्रियाओं में टीचरों को सहयोग दे। टीचरों के अधिक सहयोग से बच्चे भी अपने में रुचि बढ़ने लगी है। विद्यालय में 'जात संघ विद्यालय विद्या' के प्रयोग की बढ़ावा जो अधिक समय की लिए करती है। इन सभी प्रक्रियाओं में मेरे बच्चों के सोचने के स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। कदाचित्त ही एक बात का मैं विश्वसित है कि संविधान कात के पलों में बच्चों के अभिभावकों में अधिक मिलना-जुलना हुआ, जिससे उनके सामाजिक, अधिष्ठित और शैक्षिक समर्थन की समर्थ में आए और मुझे अपनी निर्भीकता का अवसर और अधिक दृष्टा से हुआ।

सैलिया - इस साल जब पढ़ने-पढ़ाने में और क्या नए बदलाव करने का सोच रही हैं ?

रु - इस साल मुख्यतः विद्यालय के सभी बाल संविधान के कार्यक्रमों की योजना बनाई है। उम्मीद है कि संस्थान के विद्यालयों के बच्चों में इससे प्रतिभाग करेंगे। अधिक काल के दौरान बच्चों की पढ़ाई में हुए मुक्तान को प्राप्त करने के लिए योजनाई 'विद्या नेतृ' के माध्यम पर संयोज की गई, जहाँ विद्यमान शिक्षक मार्गदर्शिकाओं के अनुसार पढ़न-पढ़ान करण। यह सुनिश्चित करना कि इन बच्चों अपनी व्यक्तिगत कक्षा के अनुसार अभिहित अभिगत

